International Journal of Advanced Research and Development
ISSN: 2455-4030; Impact Factor: RJIF 5.24
Received: 07-03-2019; Accepted: 09-04-2019
www.advancedjournal.com
Volume 4; Issue 3; May 2019; Page No. 34-35

डिजिटल इंडिया : भविष्य की ओर कदम

डॉ0 विशाल दुबे
[1] असिस्टेंट प्रोफेसर, सैन्य अध्ययन विभाग, महामाया राजकीय महाविद्यालय, शेरकोट, बिजनौर, उत्तर प्रदेश, भारत।

सारांश
प्राचीन काल से अब तक समयानुसार विभिन्न प्रकार की तकनीकी सुधार तथा उनका प्रयोग सामने आया है। वर्तमान में कुछ सर्वाधिक महत्वपूर्ण तकनीकियों में सूचना क्रांति रही है। जिसका प्रयोग विगत 30 वर्षों से सामने आया है। वर्तमान में इसका सर्वाधिक सकारात्मक पहलू सामने है।
वर्तमान में इसने न केवल समय व दूरी को कम किया बल्कि नयी तकनीक के समावेश के द्वारा विज्ञान की पहुँच सर्वसुलभ की। आज इस तकनीक से न केवल चिकित्सा, रक्षा, ज्ञान में सुधार आया बल्कि मानव को एक दिशा भी प्राप्त हुयी।

मूल शब्द : डिजिटल इंडिया, तकनीक, सूचना क्रांति, चिकित्सा, रक्षा, ज्ञान में सुधार।

प्रस्तावना
अनादि काल से विचारों को तथा अभिव्यक्तियों को मानव विभिन्न प्रकार से व्यक्त करता आ रहा है, साथ ही समय व्यतीत होने के साथ–साथ उसमें सुधार के साथ नये आयाम जुड़ते गये। प्राचीन काल में जहॉ कबूतर तथा अन्य माध्यम संदेश वाहक थे या महत्वपूर्ण संदेश पहुचाते थे, आधुनिक काल आते–आते डाक–तार, मोबाइल, फैक्स, ई–मेल आदि ने इनका स्थान ले लिया।
आधुनिक सूचना क्रांति होने के साथ जहां नये–नये संचार माध्यम, ई–मेल, वेबसाइट आदि का दौर शुरू हुआ। वही एक ऐसे वर्ग का अभ्युदय भी हुआ जो संदेश भेजने वाला या प्राप्त करने वाला था।
20 वीं सदी में भारत जो कि तेजी से उभरता हुआ सूचना प्रोद्यौगिकी का देश था, के साथ–साथ दूसरा सर्वाधिक जनसंख्या वाला देश भी था ये दोनों ही गुण एक दूसरे के पूरक थे क्योंकि एक हमारी गुणवत्ता थी तो दूसरी गुणवत्ता पर प्रतिकूल प्रभाव डालती थी। बढ़ती आबादी के साथ सांमजस्य बैठाना एक मुश्किल काम था, उनकी शिक्षा, रोजगार, मकान, सड़क आदि एक बड़ी समस्या के रूप में सरकार के सामने उभरी। जिसका एकमात्र हल डिजिटल रूप में सामने आया। समाज के हर वर्ग तक बात पहुचाने के लिये वेबसाइट के माध्यम से सरकारी विभाग अपना आदेश तथा माननीय न्यायालय आदि भी जनता तक अपनी पैठ बनाने लगे।
1 जुलाई 2015 को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने Power to Empower के उद्देश्य के साथ डिजिटल इंडिया अभियान शुरू किया। जिसका उद्देश्य ये था कि सरकारी सेवाओं को सूचना क्रांति व सूचना उपकरण (मोबाइल, इटरनेट, एड्रायड आदि) के माध्यम से सबके सामने लाना था। जिसके लिये कुछ मुख्य तत्व थे (1) सभी के लिये सूचना उपकरण अर्थात् मोबाइल, एड्रांइड, कम्प्यूटर आदि हो (2) इटरनेट कनैक्शन हो (3) हर क्षेत्र में निर्बाध गति से इटरनेट।
''डिजिटल इंडिया'' अभियान भारत सरकार द्वारा जनता के लिसे मजबूत आधार के साथ तकनीकी क्षेत्र में और विकास हेतु लागू किया गया।[1] इस अभियान के साथ जरूरी है कि सभी सरकारी प्रपत्र डिजिटल रूप में हो तथा लोगों को सही समय पर उपलब्ध भी हो सके।
इस अभियान में इलैक्ट्रानिक सर्विस, उपकरण निर्माण तथा लोगों की नौकरी जैसे महत्वपूर्ण पहलू जुड़े हुये है। इस अभियान में भारत के सभी ग्राम पंचायतों को ब्राडबैंड से जोड़ना भी शामिल है।
इसी क्रम में My Gov App माननीय प्रधानमंत्री तथा उनकी सरकार को जनता से जोड़ता है तथा आपसी सुझाव तथा तालमेल की प्रक्रिया बनी रहती है।[2] इसके साथ ही विभिन्न मंत्रालय तथा विभाग व उच्च पदासीन अधिकारी भी टिवट्र व अपने–अपने एप के माध्यम से जनता से संवाद में प्रमुख भूमिका निभाते है। इससे एक प्रमुख फायदा ये है कि हर मंत्री व शीर्ष पदाधिकारियों को जनता की समस्या जानने तथा वहीं हल करने का प्लेटफार्म मिल गया। रेल मंत्रालय व विदेश मंत्रालय द्वारा जनता की समस्या का तुरन्त हल एक आदर्श के रूप में जनता के सामने आयी। इसके साथ ही माननीय नरेन्द्र मोदी जी की सरकार ने शीर्ष स्तर पर पेपर लेस कार्य की भी वकालत की। डिजिटल व पेपरलेस होने का सर्वाधिक फायदा ये है कि कागजी कार्यवाही के अनावश्यक बोझ कम होगें व अगर इसका सही पालन किया जाये तो अनावश्यक पेड़ नहीं कटेगें।
इसके साथ ही वर्तमान सरकार ने आर्थिक सेक्टर मे भी डिजिटल व्यवस्था को लागू करने का प्रयास प्रारम्भ किया। नोटबंदी के पूर्व व बाद में सरकार ने डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा दिया जिससे आयकर चोरी पकड़ में आयी व राजस्व को बढ़ावा मिला। इसके साथ ही पेटीएम, आदि मोबाइल एप ने भी नोटबंदी के समय डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा दिया तथा जब 2000 रू0 की बैंक से लेन देन की तय सीमा थी उस समय कुछ एप, डेबिट, क्रेडिट कार्ड, चेक ही लेन देन की प्रक्रिया को आसान करते रहे। अब बैंकिंग सेक्टर में ई–बैंकिंग, मोबाइल बैकिंग, डिजिटल, मनी ट्रासफर, एनईएफटी, आदि के द्वारा लेन देन को बढ़ावा दिया जा रहा। जिससे विश्व के किसी भी क्षेत्र में तुरन्त पैसे पहुचाये जा सकते है।
इसके साथ ही प्रधानमंत्री मोदी की यू0पी0आई0 जैसी योजनाओं ने कैशलेस बनाने में भरपूर योगदान दिया। जिसमें हजारों रूपये का लेनदेन मात्र 10 सेकेंड के अंदर हो जाता है। ये विधि अधिक सरल तथा पर्यावरण अनुकूल भी है। ये ''फोन पे'' नाम से भी उपलब्ध है। इसके साथ सर्वाधिक महत्वपूर्ण ये है कि सफेद धन के लेनदेन में सर्वाधिक उपयोगी है।
इसके साथ ही आज डॉक्टर व औषधि दोनों अतिमहत्वपूर्ण सूची में है। डिजिटल इंडिया के द्वारा तुरन्त डॉक्टर से बात कर

सकते। साथ ही ऑनलाइन दवा भी 10–30 प्रतिशत कम दाम पर उपलब्ध है।

इसके साथ ही दूर दराज गॉव में बैठा किसान अपने भूलेख तथा मौसम की जानकारी प्राप्त कर सकता है तथा उसका प्रयोग अपनी परेशानी में कमी लाने में कर सकता है साथ ही बढ़िया कृषि के लिये कृषि विशेषज्ञों से भी बात कर सकता है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा बनाये गये एप व साफ्टवेयर से घर बैठे अपने स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई बिना शिक्षक के कर सकते है। इससे उनको फायदा हुआ जिसके स्कल–कालेज में शिक्षक नहीं है। साथ ही इससे ज्ञान का भी विस्तार हुआ।

निष्कर्ष

डिजिटल इंडिया अभियान के द्वारा न केवल सरकार द्वारा पेपरलेस की तरफ बढ़ा जा रहा है बल्कि पारदर्शिता की तरफ भी कदम बढ़ाया जा रहा है। आधार कार्ड से सभी सेवाओं को जोड़ने के बाद न केवल टैक्स वसूली बढ़ी बल्कि सिम कार्ड से लेकर पास पोर्ट, वीजा तक के मामले पकड़ में आने लगे। अब हर आदमी की गतिविधि व आर्थिक गतिविधियां सरकार की नजर में है लेकिन डाटा सुरक्षा भी उतना ही जरूरी क्योंकि अगर आंकड़ें चोरी हुये तो राष्ट्रीय सुरक्षा भी खतरे में आ जायेगी।

संदर्भ

1. Prakash, Amit, Digital India needs to go local, The Hindu, 26.02.2017.
2. Modi’s website gets new, mobile friendly look,” Business Standard, New Delhi, 16 Jan 16